*** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए।** [15]

1. नेताजी ने किसको राष्ट्र के यंत्र की संज्ञा दी?
   (A) समाज (B) नेता (C) विद्यालय (D) सेना

   उत्तर: (A) समाज

2. नेताजी सुभाषचंद्र बोस का सपना क्या था?
   (A) व्यापार (B) स्वाधीन भारत (C) राजनीति (D) समाज सेवा

   उत्तर : (B) स्वाधीन भारत

3. आदर्श समाज में व्यक्ति कैसा होता है?
   (A) दबाव में (B) स्वतंत्र (C) अनपढ़ (D) उदास

   उत्तर : (B) स्वतंत्र

4. लेखक अपने सपने को क्या कहता है?
   (A) भार (B) उपहार (C) दंड (D) मनोरंजन

   उत्तर : (B) उपहार

5. लेखक किनके दबाव से मुक्ति चाहता है?
   (A) शिक्षक (B) सरकार (C) समाज (D) मीडिया

   उत्तर : (C) समाज

6. लेखक के अनुसार कैसा समाज चाहिए?
   (A) परतंत्र (B) विभाजित (C) स्वतंत्र (D) आलसी

   उत्तर : (C) स्वतंत्र

7. लेखक को सपना क्या देता है?
   (A) भ्रम (B) डर (C) शक्ति और आनंद (D) आलस्य

   उत्तर : (C) शक्ति और आनंद

8. लेखक 'तरुण के स्वप्न' में किसे संबोधित करता है?
   (A) बुजुर्गों को (B) शिक्षकों को (C) युवाओं को (D) नेताओं को

   उत्तर : (C) युवाओं को

9. सच्चा स्वप्न कैसा होता है?
   (A) अधूरा (B) डरावना (C) प्रेरणादायक (D) भ्रमित

   उत्तर : (C) प्रेरणादायक

10. समाज में किसका स्थान नहीं होना चाहिए?
    (A) जातिभेद (B) शिक्षा (C) स्वतंत्रता (D) सेवा

    उत्तर: (A) जातिभेद

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

11. सुभाष बाबू के अनुसार स्वप्न क्या है?

(A) कल्पना (B) शक्ति का स्रोत (C) बोझ (D) समय की बर्बादी

उत्तर : (B) शक्ति का स्रोत

12. लेखक ने किसे ''वह मरण है स्वर्ग समान'' कहा है?

(A) स्वप्न त्याग (B) समाज का दबाव (C) स्वप्न के लिए प्राण देना (D) आराम

उत्तर : (C) स्वप्न के लिए प्राण देना

13. किसे समान अधिकार मिलने चाहिए?

(A) पुरुषों को (B) नारियों को (C) बुजुर्गों को (D) बच्चों को

उत्तर : (B) नारियों को

14. तरुण किसके लिए प्रेरणा स्रोत है?

(A) समाज के लिए (B) लेखक के लिए

(C) आने वाली पीढ़ियों के लिए (D) शिक्षकों के लिए

उत्तर : (C) आने वाली पीढ़ियों के लिए

15. 'तुम मुझे खून दो...' किसका प्रसिद्ध नारा है?

(A) गाँधीजी (B) सुभाषचंद्र बोस (C) भगत सिंह (D) लाला लाजपत राय

उत्तर : (B) सुभाषचंद्र बोस

*** रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित रूप से कीजिए।** **[10]**

16. ''तरुण के स्वप्न'' पाठ का मुख्य संदेश है कि हमें अपने देश के लिए हमेशा _____ रहना चाहिए।

उत्तर : त्याग और बलिदान के लिए तत्पर

17. ''तरुण के स्वप्न'' पाठ के लेखक का नाम _____ है।

उत्तर : सुभाषचंद्र बोस

18. नेताजी का प्रसिद्ध नारा था—''तुम मुझे _____ दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा।''

उत्तर : खून

19. नेताजी का सपना था कि भारत _____ हो।

उत्तर : स्वतंत्र

20. नेताजी को अपने देश और अपने देशवासियों से बहुत _____ था।

उत्तर : प्रेम

21. नेताजी ने कहा था कि आजादी किसी को भीख में नहीं मिलती, उसे _____ पड़ता है।

उत्तर : छीनना

22. सुभाषचंद्र बोस को _____ के नाम से भी जाना जाता है।

उत्तर : नेताजी

23. सुभाषचंद्र बोस ने _____ नामक संगठन का गठन किया।

उत्तर : आज़ाद हिन्द फ़ौज

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

24. नेताजी ने युवाओं को देश के लिए अपना जीवन _____ करने के लिए प्रेरित किया।

उत्तर : बलिदान

25. सुभाषचंद्र बोस का जन्म _____ में हुआ था।

उत्तर : कटक (ओडिशा)

*** प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए।** [10]

26. लेखक तरुण भाइयों से क्या आह्वान करते हैं?

उत्तर : यही कि वे स्वप्न को स्वीकार करें और उस पर चलें।

27. आलसी व अकर्मण्य लोगों के लिए समाज में स्थान क्यों नहीं है?

उत्तर : क्योंकि वे समाज की उन्नति में बाधक होते हैं।

28. लेखक का सपना उन्हें क्या देता है?

उत्तर : यह उन्हें असीम आनंद और प्रेरणा देता है, जिससे उनका जीवन सार्थक बनता है।

29. लेखक के अनुसार कैसा जीवन व्यर्थ है?

उत्तर : जो बिना उद्देश्य, स्वप्न और सेवा के हो।

30. लेखक के अनुसार नारी का स्थान क्या होना चाहिए?

उत्तर : नारी को पुरुषों के समान सभी अधिकार और अवसर मिलने चाहिए।

31. लेखक स्वप्न को क्यों सर्वोपरि मानते हैं?

उत्तर : क्योंकि वह उन्हें जीवन की दिशा और उद्देश्य प्रदान करता है।

32. समाज में शिक्षा का स्थान कैसा होना चाहिए?

उत्तर : हर व्यक्ति को समान रूप से शिक्षा और उन्नति के अवसर मिलने चाहिए।

33. सुभाषचंद्र बोस युवाओं से क्या अपेक्षा रखते थे?

उत्तर : वे चाहते थे कि युवा देश की सेवा करें और आत्मबलिदान के लिए तैयार रहें।

34. स्वप्न के लिए लेखक क्या-क्या त्याग सकते हैं?

उत्तर : वह सब कुछ छोड़ सकते हैं, यहाँ तक कि प्राण भी।

35. लेखक कैसा राष्ट्र चाहते हैं?

उत्तर : वह एक स्वतंत्र, न्यायपूर्ण, आदर्श राष्ट्र चाहते हैं जहाँ हर नागरिक को समान अधिकार हो।

*** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** [20]

36. नेताजी के लिए "श्रम और कर्म की पूरी मर्यादा" का क्या अर्थ था?

उत्तर : नेताजी के लिए एक आदर्श राष्ट्र में प्रत्येक व्यक्ति के परिश्रम और कर्म का सम्मान किया जाए। आलस्य और अकर्मण्यता के लिए कोई स्थान न हो और हर व्यक्ति अपने काम के प्रति समर्पित हो, जिससे राष्ट्र का सर्वांगीण विकास हो सके।

37. नेताजी ने चित्तरंजन दास के स्वप्न का उल्लेख क्यों किया है?

उत्तर : नेताजी चित्तरंजन दास को अपना प्रेरणा स्रोत मानते थे। वे यह दर्शाना चाहते थे कि उनका स्वयं का स्वप्न चित्तरंजन दास के विचारों की ही एक निरंतरता है और वे उनके आदर्शों के सच्चे उत्तराधिकारी हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

38. नेताजी के अनुसार, एक आदर्श समाज में नारी की क्या भूमिका होनी चाहिए?

उत्तर : नेताजी चाहते थे कि नारी समाज के सभी क्षेत्रों में सक्रिय रूप से भाग ले और राष्ट्र के निर्माण में पुरुषों के साथ समान रूप से भागीदार बने, बिना किसी सामाजिक या लैंगिक बाधा के।

39. नेताजी के अनुसार, एक स्वतंत्र राष्ट्र में आर्थिक विषमता क्यों नहीं होनी चाहिए?

उत्तर : नेताजी का मानना था कि एक स्वतंत्र राष्ट्र में आर्थिक विषमता समाज में असमानता पैदा करती है और कुछ लोगों को उन्नति के अवसरों से वंचित करती है। वे एक ऐसे समाज की कल्पना करते थे जहाँ सभी को समान रूप से आर्थिक सुरक्षा और विकास के अवसर मिलें।

40. नेताजी सुभाषचंद्र बोस एक ऐसे राष्ट्र की कल्पना क्यों करते थे जहाँ जातिभेद न हो?

उत्तर : नेताजी एक समतावादी और न्यायपूर्ण समाज का निर्माण करना चाहते थे। उनका मानना था कि जातिभेद समाज को विभाजित करता है और व्यक्तियों की क्षमता को सीमित करता है, इसलिए एक आदर्श राष्ट्र में इसका कोई स्थान नहीं होना चाहिए।

41. नेताजी के स्वप्न को "शक्ति का उत्स और आनंद का निर्झर" क्यों कहा गया है?

उत्तर : नेताजी का स्वप्न उनके जीवन का मूल आधार था। यह स्वप्न ही उन्हें कठिन परिस्थितियों में भी कार्य करने की शक्ति और प्रेरणा देता था और इसे साकार करने की इच्छा उनके भीतर आनंद का संचार करती थी।

42. नेताजी ने अपने स्वप्न को साकार करने के लिए युवाओं से क्या अपेक्षा की थी?

उत्तर : नेताजी ने उनके स्वप्न को साकार करने के लिए किसी भी त्याग और संकट को सहने के लिए तैयार रहें। वे चाहते थे कि युवा कर्मठ हों, आलस्य का त्याग करें और पूरी निष्ठा के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान दें।

43. नेताजी ने किस प्रकार के राष्ट्र के निर्माण पर जोर दिया था?

उत्तर : नेताजी ने एक ऐसे राष्ट्र के निर्माण पर जोर दिया था जो सर्वांगीण स्वाधीन हो- न केवल राजनीतिक रूप से, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से भी। वे एक ऐसा राष्ट्र चाहते थे जो किसी भी विदेशी प्रभाव से पूरी तरह मुक्त हो और अपने आंतरिक मूल्यों पर आधारित हो।

44. इस पाठ से हमें नेताजी के व्यक्तित्व की कौन-सी विशेषताएँ ज्ञात होती हैं?

उत्तर : नेताजी के व्यक्तित्व की दूरदर्शिता, आदर्शवाद, युवाओं में विश्वास, राष्ट्रप्रेम और त्याग की भावना जैसी विशेषताएँ ज्ञात होती हैं। वे एक ऐसे नेता थे जो केवल वर्तमान की नहीं, बल्कि भविष्य के एक आदर्श राष्ट्र की कल्पना करते थे।

45. नेताजी के लिए 'स्वाधीनता' का क्या व्यापक अर्थ था?

उत्तर : नेताजी के लिए 'स्वाधीनता' का अर्थ केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं था, बल्कि यह एक व्यापक अवधारणा थी। इसमें व्यक्ति की सामाजिक, आर्थिक और आध्यात्मिक स्वतंत्रता भी शामिल थी, जहाँ वह बिना किसी दबाव या भेदभाव के अपने जीवन का निर्माण कर सके।

*** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** **[18]**

46. नेताजी सुभाषचंद्र बोस का स्वतंत्रता संग्राम में क्या योगदान था?

उत्तर : नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने आजाद हिन्द फौज का गठन किया और "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा" का प्रसिद्ध नारा दिया। वे एक निडर योद्धा थे जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उनके नेतृत्व में हजारों भारतीयों ने स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया।

47. इस पाठ से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

उत्तर : यह पाठ हमें सिखाता है कि महान लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर संघर्ष और त्याग आवश्यक है। स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्श हमें सिखाते हैं कि व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र की सेवा करना सच्चा धर्म है। उनका बलिदान हमें प्रेरणा देता है कि हम भी अपने कर्त्तव्यों का पालन करते हुए देश की प्रगति में योगदान दें।

48. इस पाठ में निहित राष्ट्रीय भावना का वर्णन करें।

उत्तर : पाठ में गहरी राष्ट्रीय भावना परिलक्षित होती है जो देशप्रेम, बलिदान और आत्मसमर्पण की भावना से भरपूर है। लेखक ने दिखाया है कि कैसे स्वतंत्रता सेनानी अपने व्यक्तिगत सुख-दुःख को भूलकर देश सेवा में लग गए। यह राष्ट्रीय भावना सभी जाति, धर्म और वर्ग के लोगों को एक सूत्र में बाँधती है और उन्हें एक साझा लक्ष्य की दिशा में प्रेरित करती है।

49. स्वतंत्रता संग्राम में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालें।

उत्तर : स्वतंत्रता संग्राम में युवाओं ने अग्रणी भूमिका निभाई। वे न केवल आंदोलनों में सक्रिय रूप से भाग लेते थे बल्कि अपने जोश और उत्साह से पूरे समाज को प्रेरित करते थे। नेताजी जैसे युवा नेताओं ने दिखाया कि वयस् (उम्र) और अनुभव से कहीं ज्यादा महत्त्वपूर्ण है दृढ़ संकल्प और देशभक्ति। युवाओं के इसी जुनून ने स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की।

50. इस पाठ में वर्णित स्वतंत्रता के स्वप्न का क्या अर्थ है?

उत्तर : स्वतंत्रता का स्वप्न भारतीयों की उस महान कामना को दर्शाता है जिसमें वे अपने देश को विदेशी शासन से मुक्त देखना चाहते थे। यह स्वप्न केवल राजनीतिक आजादी तक सीमित नहीं था, बल्कि इसमें सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक स्वतंत्रता भी शामिल थी। हर भारतीय के हृदय में यह स्वप्न जीवित था कि एक दिन भारत पूर्ण स्वराज्य प्राप्त करेगा।

51. गृह उद्योग के विषय में नेताजी के विचार क्या थे?

उत्तर : नेताजी सुभाषचंद्र बोस गृह उद्योग को भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानते थे। उनके अनुसार स्वदेशी वस्तुओं का उत्पादन और उपयोग न केवल आर्थिक स्वावलंबन लाता है बल्कि विदेशी सामान पर निर्भरता भी कम करता है। वे मानते थे कि छोटे-छोटे गृह उद्योगों से ही देश की आर्थिक क्रांति संभव है और यह स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है।

*** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए।** **[25]**

उस समाज में जातिभेद का स्थान नहीं हो, उस समाज में नारी मुक्त होकर समाज एवं राष्ट्र के पुरुषों की तरह समान अधिकार का उपभोग करे और समाज तथा राष्ट्र की सेवा में समान रूप से हिस्सा ले, उस समाज में अर्थ की विषमता न हो, उस समाज में प्रत्येक व्यक्ति शिक्षा और उन्नति का समान सुअवसर पाए। जिस समाज में श्रम और कर्म की पूरी मर्यादा होगी और आलसी तथा अकर्मण्य के लिए कोई स्थान नहीं रहेगा।

52. महिलाओं को किसके समान अधिकार मिलेंगे?
(अ) बच्चों के (ब) बुजुर्गों के
(स) पुरुषों के (द) शिक्षकों के

53. समाज की सेवा में सभी किस रूप में भाग लेंगे?
(अ) स्वतंत्र रूप में (ब) समान रूप में
(स) सीमित रूप में (द) अलग-अलग रूप में

54. शिक्षा का अवसर कैसा होगा?
(अ) सीमित (ब) अमीरों के लिए
(स) समान (द) निजी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

55. लेखक किस प्रकार का समाज चाहते हैं?
56. लेखक के अनुसार अर्थ की विषमता कैसी होनी चाहिए?

उत्तर : 1. (स) पुरुषों के
2. (ब) समान रूप में
3. (स) समान
4. ऐसा समाज जहाँ जातिभेद न हो, सभी को समान अधिकार और सम्मान मिले।
5. समाज में आर्थिक विषमता नहीं होनी चाहिए।

स्वप्न तो अनेकों ने देखा। हमारे नेता स्वर्गीय देशबंधु चित्तरंजन दास ने भी एक स्वप्न देखा था। वही स्वप्न उनकी शक्ति का उत्स बना और उनके आनंद का निर्झर रहा। उनके स्वप्न के उत्तराधिकारी आज हम हैं। इसलिए हमारा भी अपना एक स्वप्न है, इसी स्वप्न की प्रेरणा से हम उठते हैं, बैठते हैं, चलते हैं, फिरते हैं और लिखते हैं, भाषण देते हैं, काम-काज करते हैं।

57. स्वप्न किसका उत्स बना?
(अ) कार्य का (ब) शक्ति का
(स) विचार का (द) उद्देश्य का
58. चित्तरंजन दास का स्वप्न किसका निर्देश रहा?
(अ) पुस्तक का (ब) आनंद का
(स) राजनीति का (द) मार्ग का
59. लेखक के अनुसार हम किसके उत्तराधिकारी हैं?
(अ) देश के (ब) स्वप्न के
(स) शक्ति के (द) लक्ष्य के
60. देशबंधु चित्तरंजन दास का सपना उनके लिए क्यों महत्त्वपूर्ण था?
61. लेखक ने सपना देखने को क्यों प्रेरणादायक बताया है?

उत्तर : 1. (ब) शक्ति का
2. (ब) आनंद का
3. (ब) स्वप्न के
4. क्योंकि वही सपना उनकी शक्ति और आनंद का स्रोत बन गया था।
5. क्योंकि स्वप्न हमें प्रेरित करता है कि हम उठें, चलें, लिखें और काम करें।

वह राष्ट्र किसी भी विजातीय प्रभाव से हर प्रकार से मुक्त रहेगा। जो राष्ट्र हमारे स्वदेशी समाज के यंत्र के रूप में काम करेगा, सर्वोपरि वह समाज और राष्ट्र भारतवासियों का अभाव मिटाएगा या भारतवासी के आदर्श को सार्थक बनाकर ही स्थिर नहीं होगा, बल्कि विश्व मानव के समक्ष आदर्श-समाज और आदर्श-राष्ट्र के रूप में गण्य होगा।

62. वह राष्ट्र किस प्रभाव से मुक्त होगा?
(अ) आर्थिक (ब) विजातीय
(स) धार्मिक (द) राजनीतिक
63. वह राष्ट्र किसका यंत्र बनेगा?
(अ) विदेशी समाज का (ब) स्वदेशी समाज का
(स) राजनीति का (द) धर्म का
64. वह समाज और राष्ट्र किसका अभाव मिटाएगा?
(अ) विदेशी विचारों का (ब) भारतवासियों का
(स) भारतवादियों का (द) भारतीयों का

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

65. वह राष्ट्र भारतवासियों के लिए क्यों आवश्यक है?
66. आदर्श राष्ट्र के निर्माण के लिए किसका योगदान आवश्यक है?

उत्तर : 1. (ब) विजातीय
2. (ब) स्वदेशी समाज का
3. (ब) भारतवासियों का
4. वह राष्ट्र भारतवासियों के आदर्शों को सार्थक करेगा और उनके अभाव को मिटाएगा।
5. आदर्श समाज और भारतवादी आदर्शों का योगदान आवश्यक है।

मैं ऐसे समाज और ऐसे राष्ट्र का ही स्वप्न देखता रहा हूँ। यह स्वप्न मेरे समक्ष नित्य एवं अखंड सत्य है। इस सत्य की प्रतिष्ठा के लिए सबकुछ किया जा सकता है, हर प्रकार का त्याग किया जा सकता है, हर संकट को सहा जा सकता है और इस स्वप्न को सार्थक बनाने के दौरान प्राण देना भी है तो 'वह मरण है स्वर्ग समान'। हे मेरे तरुण भाइयो ! तुम्हें देने लायक मेरे पास कुछ भी नहीं है, है सिर्फ यही स्वप्न जो हमें असीम शक्ति और अपार आनंद देता है, जो मेरे क्षुद्र जीवन को भी सार्थक बनाता है। यह स्वप्न मैं तुम्हें उपहारस्वरूप देता हूँ - स्वीकार करो।

67. लेखक के अनुसार उनका सपना क्या है?
(अ) कल्पना (ब) अखंड सत्य
(स) व्यापार (द) मनोरंजन
68. लेखक का सपना उन्हें क्या देता है?
(अ) दुख (ब) चिंता
(स) शक्ति और आनंद (द) घृणा
69. लेखक इस सपने को किस रूप में प्रस्तुत करते हैं?
(अ) प्रस्ताव (ब) उपहास
(स) उपहारस्वरूप (द) उत्तरदायित्व
70. लेखक के अनुसार उनका स्वप्न कितना महत्त्वपूर्ण है?
71. 'वह मरण है स्वर्ग समान'-इस पंक्ति का क्या भाव है?

उत्तर : 1. (ब) अखंड सत्य
2. (स) शक्ति और आनंद
3. (स) उपहारस्वरूप
4. स्वप्न के लिए सब कुछ त्यागा जा सकता है और प्राण तक दिए जा सकते हैं।
5. आदर्श के लिए मरना भी गौरव और पुण्य के समान है।

वह स्वप्न या आदर्श क्या है? हम चाहते हैं, एक नया सर्वांगीण स्वाधीन संपन्न समाज और उस पर एक स्वाधीन राष्ट्र। उस समाज में व्यक्ति सब दृष्टियों से मुक्त हो तथा समाज के दबाव से वह मरे नहीं।

72. लेखक किस प्रकार का समाज चाहते हैं?
(अ) पिछड़ा (ब) संपन्न
(स) अधीन (द) बँधा हुआ
73. लेखक किस राष्ट्र की कल्पना करते हैं?
(अ) गुलाम (ब) संपन्न
(स) स्वाधीन (द) निर्धन
74. लेखक किसके दबाव से मुक्ति चाहते हैं?
(अ) सरकार (ब) समाज
(स) देश (द) धर्म

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

75. समाज में व्यक्ति को किन चीजों से मुक्त होना चाहिए?
76. लेखक किस राष्ट्र की कल्पना करते हैं?

उत्तर : 1. (ब) संपन्न
2. (स) स्वाधीन
3. (ब) समाज
4. व्यक्ति को सभी दृष्टिकोणों और सामाजिक दबावों से मुक्त होना चाहिए।
5. लेखक एक स्वतंत्र राष्ट्र की कल्पना करते हैं जो व्यक्ति को पूर्ण स्वतंत्रता देता है।

----- -----

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in